भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
10.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1681 का उत्तर

पलक्कड़ मंडल में अत्यधिक भीड़भाड़/कोचों की कमी

1681. श्री राजमोहन उन्नीथन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को कासरगोड-कन्नूर-कोझीकोड-मंगलौर मार्गों से चलने वाली प्रमुख रेलगाड़ियों में अत्यधिक भीड़भाड़ और अपर्याप्त बैठने की क्षमता की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा पलक्कड़ मंडल के लिए कोच की संख्या बढ़ाने, विशेष सेवाओं को जोड़ने और रेक आवंटन में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ग) दैनिक यात्रियों और लंबी दूरी के यात्रियों को वास्तविक राहत प्रदान करने के लिए क्या निगरानी तंत्र और समय-सीमा है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल पर, गाड़ियों की व्यस्तता का स्वरूप पूरे वर्ष एकसमान नहीं रहता है और यह कम व्यस्त और अधिक व्यस्त अवधि के दौरान बदलता रहता है। भीड़भाड़ वाली व्यस्त अवधि के दौरान, विशेष रूप से लोकप्रिय मार्गों पर रेलगाड़ियों में भीड़ रहती है, जबकि कम व्यस्त अवधि और कम लोकप्रिय मार्गों पर, गाड़ियों का उपयोग कम होता है। वर्तमान में, कोझिकोड और मंगलूरु सेंट्रल स्टेशनों पर क्रमशः 114 और 58 रेलसेवाएँ उपलब्ध हैं।

दोनों स्टेशन 4 वंदे भारत रेल सेवाओं द्वारा सेवित हैं। इसके अलावा, कोझिकोड-मंगलूरु खण्ड वर्तमान में 2 वंदे भारत रेल सेवाओं सहित 47 जोड़ी रेल सेवाओं द्वारा सेवित है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर यात्रियों की आवाजाही की नियमित निगरानी की जाती है और यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, भारतीय रेल त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान विशेष रेलगाड़ियाँ चलाती है ताकि यात्रियों की अतिरिक्त ज़रूरतों को पूरा किया जा सके और नियमित सेवाओं द्वारा उपलब्ध सुविधाओं को पूरा किया जा सके। उपरोक्त के अलावा, विभिन्न यात्री वर्गों के लिए अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु, स्थायी और अस्थायी दोनों आधार पर रेलगाड़ियों की यात्री क्षमता भी बढ़ाई जाती है।

तदनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क पर, वर्ष 2025-26 (अक्टूबर, 2025 तक) के दौरान, 52731 विशेष रेलगाड़ियां परिचालित की गईं और 660 सवारी डिब्बों का उपयोग स्थायी आधार रेल सेवाओं के संवर्द्धन के लिए किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल ने सामान्य/शयनयान श्रेणी में यात्रा की मांग करने वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, विभिन्न लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में 1250 सामान्य सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है।

व्यस्त समय और त्योहारों की भीड़ को देखते हुए, पालक्काड मंडल में अस्थाई आधार पर अतिरिक्त सवारी डिब्बों के 492 फेरे जोड़े गए हैं, ताकि इस खंड के विभिन्न वर्गों के यात्रियों के लिए अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। वर्तमान में, कासरगोड-कोझीकोड-कन्नूर-मंगलुरु खण्ड में चलने वाली सभी 19 जोड़ी रेलगाड़ियां कम से कम 4 सामान्य/शयनयान सवारी डिब्बों के साथ परिचालित की जा रही हैं।

****